

## भारतीय नौसेना के लिए पनडुब्बी रोधी युद्धक जलप्रपात (एएसडब्ल्यूएसडब्ल्यूसीएस) का स्टील कट्टिंग समारोह

भारतीय नौसेना के लिए पनडुब्बी रोधी युद्धक जलप्रपात (एएसडब्ल्यूएसडब्ल्यूसीएस) का स्टील कट्टिंग समारोह कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड, कोच्ची में दिनांक 01 दिसंबर 2020 को आयोजित किया गया। वाइस एडमिरल जी अशोक कुमार, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम, नौसेना उपाध्यक्ष, भारतीय नौसेना ने जहाज़ संख्या बी वाई 523 के लिए पहली स्टील प्लेट की स्टील कट्टिंग शुरू करने की घोषणा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की। जहाज़ निर्माण प्रक्रिया में स्टील कट्टिंग समारोह प्रारंभिक मील के पत्थर में से एक है।

श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, सीएसएल ने स्वागत भाषण दिया। वाइस एडमिरल जी अशोक कुमार, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम, नौसेना उपाध्यक्ष, भारतीय नौसेना ने सभा को संबोधित किया। मैटेरियल प्रमुख वाइस एडमिरल एस आर शर्मा और एकीकृत नौसेना मुख्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। समारोह में सीएसएल और युद्धपोत निरीक्षण दल (डब्ल्यूओटी), कोच्ची के वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) ने प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया में दिनांक 30 अप्रैल 2019 को भारतीय नौसेना के लिए आठ (08) पनडुब्बी रोधी युद्धक जलप्रपात (एएसडब्ल्यूएसडब्ल्यूसीएस) के निर्माण और आपूर्ति के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। इन आठ (08) जहाज़ों का आदेश मूल्य 6,311 करोड़ रुपए है। अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की तारीख से परियोजना को 90 महीने में पूरा किया जाना है।

यह पनडुब्बी रोधी युद्धक जलप्रपात (एएसडब्ल्यूएसडब्ल्यूसीएस) 25 समुद्री मील की गति और 57 के पूरक और तटीय जल के पूर्ण पैमाने पर उप सतही निगरानी और विमान के साथ समन्वित एएसडब्ल्यू संचालन में सक्षम हैं। इसके अलावा, जहाज़ों में तटीय पानी में उप सतह के लक्ष्यों को भेदने / नष्ट करने की क्षमता होगी। उन्हें तटीय इलाकों में दिन व रात जाँच

और बचाव के लिए भी तैनात किया जा सकता है। अपनी दूसरी भूमिका में, वे घुसपैठ करने वाले विमानों पर मुकदमा करने और समुद्र तल में खदाने बिछाने में सक्षम होंगे। जहाज़ों को उन्नत अत्याधुनिक एकीकृत प्रबंधन प्रणाली, प्रोपेलशन मशीनरी, सहायक मशीनरी, बिजली उत्पादन और वितरण मशीनरी और क्षति नियंत्रण मशीनरी आदि से सुसज्ज किया जाएगा। एएसडब्ल्यूएसडब्ल्यूसीएस का निर्माण अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण सोसायटी के नियमों के साथ-साथ मालिक की विशिष्ट आवश्यकताओं के अलावा भी किया जा रहा है।

इन तकनीकी रूप से उन्नत जहाज़ों को स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और योजनाबद्ध किया जाता है और जहाज़ों के कार्यों को पूरा करने हेतु विभिन्न भार से सुसज्ज किया जाएगा। पोत में पनडुब्बियों और अन्य निगरानी प्रणालियों द्वारा पता लगाने से बचने हेतु कड़े हस्ताकर और गोपनीय तकनीक की सुविधा होगी। भार और समाधान का महत्वपूर्ण हिस्सा भारतीय फर्मों से होगा और ये जहाज एक बार चालू होने के बाद देश की आत्मनिर्भर क्षमताओं को प्रदर्शित करेगा।

सीएसएल हाल ही में कोच्ची में एक नया 310 मीटर लंबी सूखी गोदी और विलिंगडन द्वीप, कोच्ची में एक शिप लिफ्ट आधारित पोत मरम्मत यार्ड द्वारा कुल 2,769 करोड़ रुपए का निवेश कर रहा है।

सीएसएल भौगोलिक रूप से विस्तार कर रहा है और अपनी कोच्ची सुविधाओं के अलावा मुंबई, कोलकाता और पोर्ट ब्लेयर में पोत मरम्मत इकाइयां शुरू कर चुका है। सीएसएल कोलकाता (एचसीएसएल) और मालपे, कर्नाटक (टेबमा शिपयार्ड लिमिटेड) के नाम से पूरी तरह से स्वामित्व वाली सहायक शिपयार्ड की स्थापना कर रहा है ताकि छोटे और मध्यम आकार के जहाज़ों के साथ-साथ अंतर्देशीय जलमार्ग के लिए जहाज़ों के निर्माण को पूरा किया जा सके।

**कार्यालयीन प्रवक्ता  
कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड**

**STEEL CUTTING CEREMONY OF ANTI-SUBMARINE WARFARE SHALLOW  
WATER CRAFTS (ASWSWCs) FOR INDIAN NAVY**

Steel cutting ceremony of the Anti-Submarine Warfare Shallow Water Crafts (ASWSWCs) for Indian Navy was held on 01 Dec 2020 at Cochin Shipyard Limited, Kochi. Vice Admiral G Ashok Kumar, PVSM, AVSM, VSM, Vice Chief of Naval Staff, Indian Navy declared through video conferencing the commencement of steel cutting of first steel plate for Ship No. BY 523. The steel cutting ceremony is one of the initial milestones in the vessel construction process.

Shri Madhu S. Nair, C&MD CSL delivered the welcome address. Vice Admiral G Ashok Kumar, PVSM, AVSM, VSM, Vice Chief of Naval Staff, Indian Navy addressed the gathering. Vice Admiral S R Sarma, Chief of Materiel, and other senior officials from the Integrated Naval Headquarters also participated through video conferencing. Senior officials of CSL and Warship Overseeing Team (WOT), Kochi, were also present at the function.

Cochin Shipyard Limited (CSL), signed the contract for construction and supply of eight (08) Anti-Submarine Warfare Shallow Water Crafts (ASWSWCs) for Indian Navy on 30 Apr 2019 in a competitive bidding process. The order value for these eight (08) vessels is ₹6,311 Crores. The project is to be completed in 90 months from date of signing the contract.

These Anti-Submarine Warfare Shallow Water Crafts (ASWSWC's) are designed for a speed of 25 knots and complement of 57 and capable of full scale sub surface surveillance of coastal waters and co-ordinated ASW operations with aircraft. In addition, the vessels will have the capability to interdict/destroy sub surface targets in coastal waters. They can also be deployed for day and night search and rescue in coastal areas. In their secondary role, they will be capable to sue intruding aircraft, and lay mines in the sea bed. The vessels will be equipped with highly advanced state-of-the-art integrated platform management systems, propulsion machinery, auxiliary machinery, power generation and distribution machinery and damage control machinery etc. The ASWSWC are also being built to International Classification Society rules, in addition to the owner specific requirements.

These technologically advanced vessels are designed and engineered indigenously and will be equipped with various payloads to cater to the vessels' functions. The vessel will feature stringent signature and stealth technologies to avoid detection by submarines and other surveillance systems. Significant part of the payloads and solutions will be from Indian firms and these vessels once commissioned will showcase the country's Atmanirbhar capabilities.

CSL is currently investing a total of ₹2,769 Crore in infrastructure augmentation by way of a new 310 Mtr long dry dock at Kochi and a ship lift based Ship Repair yard at Willingdon Island, Kochi.

CSL is expanding geographically and has commenced Ship Repair Units at Mumbai, Kolkata & Port Blair in addition to its Kochi facilities. CSL is also setting up fully owned subsidiary shipyards at Kolkata (named HCSL) and at Malpe, Karnataka (named TEBMA Shipyards Limited) to cater to the construction of small & medium sized vessels as well as vessels for the Inland Waterways.

Official Spokesperson  
Cochin Shipyard Limited